अध्याय ४ :

निर्गमन

उन्होंने तब तक पीछा किया जब तक वे पहाड़ों में और लाल समुद्र के पास न आए। वहाँ उन्होंने डेरा लगाया जब उन्होंने चर्चा की कि वे पानी के विशाल गहराई को कैसे पार कर रहे हैं।

अपने बच्चे को कब्र में दफनाने के बाद, फिरौन का क्रोध पहले से भी और ज्यादा बढ़ गया। वह समज ना सका की उसने अपने दासों को क्यों जाने दिया?
रथो को तैयार करो। यहूदियों का पीछा करो। सभी को मार दो या उन्हें वापस लाओ।
महाराज, जैसा आप कहेंगे वैसा ही होगा।
निर्गमन १४:५-७

देखो, मिस्त्र की सेना आ रही हैं। हम इस रेगिस्तान में फस गये हैं।
मूसा ने हमें **मरने के लिए** यहाँ लाया है। इस परमेश्वर के स्थान पर मरने के बजाय दास के रूप में जीवित रहना बेहतर था।

वे मारने को तैयार थे, जब मिस्त्रियों ने असहाय इब्रियों को देखा और याद आया कि मूसा ने मिस्त्र को पीड़ित किया था।
परमेश्वर अब हमें बचाने के लिए कुछ नहीं कर सकते।
हमारे आजु बाजू पहाड़ और सामने पानी है। हम फँस गये है।

तुम जहां हो वहीं खड़े रहो। परमेश्वर हमें शक्तिशाली तरीके से बचाएगा।
परमेश्वर ने फिर से एक बार फिरौन के ह्रदय को कठोर बना दिया। आज के बाद तुम फिर कभी मिस्त्र की सेना को देख नहीं पाओगे।

निर्गमन १४:५-१३

जब ऐसा लगा कि मिस्त्र की सेना इब्रियों पर बरस जाएगी, तो
अचानक आग का एक बड़ा स्तंभ स्वर्ग से नीचे आया और उनके
रास्ते में बाधा उत्पन्न कर दिया। उस रात के दौरान, इब्रियों
के पास रोशनी थी लेकिन मिस्त्र के लोग घने अंधेरे में थे।

निर्गमन १४:१५-२२

हमने मिस्त्र में देखा था, यह किसीको भी हरा सकता है।
वाह, हमारे परमेश्वर सब परमेश्वर से अच्छे है! हम समुद्र के बीच में हैं।

योशियाह, क्या तुम पागल हो? वहाँ से दूर हो जाओ! तुम्हें पता है कि तुम तैर नहीं सकते!

मैं सिर्फ सुन्दर मछलियों को छूना चाहता हूँ।

निर्गमन १४:२२-२३

आज तुमने **यहोवा** के शक्ति को देखा होगा।
देखो जल वापस जा रहा है, वे सभी डूब जायेंगे।

मिस्त्र का हर एक सैनिक समुद्र में डूब गया। उनका लकड़ियों और पत्थरों का परमेश्वर उन्हें बचा न सका।
निर्गमन १४:२७-२८

सारे शरीर को देखो। समुद्र मृत मिस्त्र के सैनिकों से भरा हुआ है।
निश्चित, यहोवा ही एकमात्र परमेश्वर है। ऐसा काम करने वाला और कोई नहीं है। हम इस दिन को हमेशा याद रखेंगे।

समुद्र और मृत मिस्र की सेना को पीछे छोड़ते हुए, इब्रानी बच्चों ने विशाल जंगल में मूसा और बादल का पीछा किया। उन्होंने वह खाना-पीना जारी रखा, जो उन्होंने मिस्र से लाया था।कुछ दिनों की यात्रा के बाद, जो बादल उन्हें रास्ता दिखा रहे थे वो पानी के कुओं के पास आके रुक गये।

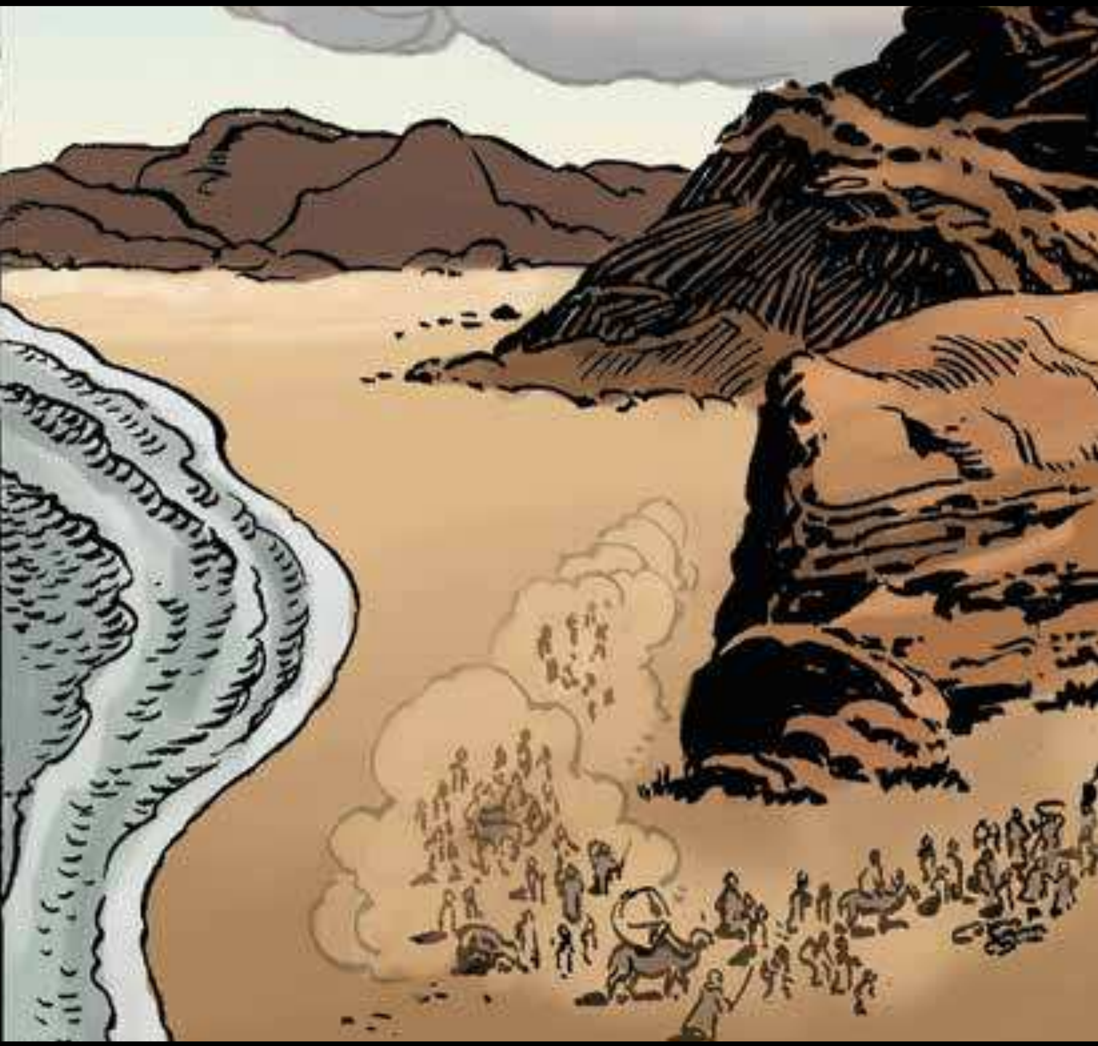

इब्रियों ने वहां तब तक डेरा जमाया, जब तक कि उनका भोजन समाप्त नहीं होता। ज्यादा मिलने की जगह नहीं थी। यह निराशाजनक लग रहा था। वहाँ कोई भी ऐसा स्थान नहीं था जहाँ से कुछ मिल सकें। वह निराशाजनक था।

हम **मिस्त्र** में रह सकते थे और इससे अच्छा जीवन जी सकते थे। दास के रूप में हमारे पास खाने के लिए पर्याप्त था। यहाँ, कुछ भी नहीं है।
हाँ, क्या तुम हमें **भूख से** मरने के लिए यहाँ लाए हो?

मेरी बात सुनो। आप मेरे खिलाफ नहीं, बल्कि उस परमेश्वर के खिलाफ शिकायत कर रहे हैं, जिसका हम
अनुसरण करते हैं। यहोवा कहता है कि वह स्वर्ग से रोटी बरसायेगा। हर सुबह आप इस जमीन को उससे ढंकते हुए पाएंगे। आपको बस उसे उठाना है और उसे खाना है।

मूसा ने क्या कहा? हमें भोजन कैसे मिलेगा? बच्चे भूखे मर रहे हैं।
वह बोला है की यहोवा हर सुबह स्वर्ग से रोटी नीचे बरसाएगा।

सूर्य निकलने का समय हो गया है। क्या आपको विश्वास है कि जमीन पर रोटी होगी जैसा मूसा ने कहा था?
अगर रोटी नहीं मिली तो हम भूखे रह जायेंगे।
नहीं, लेकिन मैंने कभी समुद्र के बिच में रास्ता है ये भी नहीं सुना। मूसा का परमेश्वर ब्रह्मांड का निर्माता होना चाहिए। मुझे नहीं लगता कि आकाश से रोटी गिरना उसके लिए बहुत कठिन है। आओ, यहीं समय है, देखते हैं।
क्या तुमने कभी भी आकाश से रोटी गिरते हुए सुना है ?
निर्गमन १४:२१-२२, ३०, १६:२-३, ७-८

स्वर्ग से रोटी, जैसा वह बोलै था।
हम क्यों हमेशा संदेह करते हैं?

देखो! यह सभी जगह है।
ओह ये कितना स्वादिष्ट हैं। इसका स्वाद शहद जैसा हैं।
सच, यहोवा ही परमेश्वर है और मूसा उसका भविष्यवक्ता हैं।

जब तक वे जंगल में थे, परमेश्वर ने उन्हें स्वर्गदूतों के स्वर्गीय भोजन से खिलाया।
जब तक मेघ उनके डेरे के ऊपर खड़े रहे, तब तक इब्रियों ने पानी के झरनों के पास रहकर स्वर्ग की रोटी खाई, लेकिन जब बादल हिलने लगे, तो उन्होंने अपना सामान और तंबू बांध लिया और अनजान जंगल में चले गए।

लेकिन एक ऐसा समय आया जब उनका पानी ख़तम हो गया।
उसने हमें रोटी दी, लेकिन अब वह हमें प्यास से मार देगा।
अगर हम जल्द ही पानी नहीं देंगे तो मेरी छोटी लड़की मर जाएगी।

निर्गमन १६:१४-१५, १७:२-४;
भजन संहिता ७८:२४-२५

परमेश्वर ने मूसा को बताया क्या करना है।
आओ और यहोवा के **शक्ति** को देखो। तुम उस पर विश्वास नहीं करते हो। तुम लोग **शिकायत** करते हो।

उसने तुम्हें रोटी दी, और अब वह तुम्हें इस बंजर चट्टान से पानी देगा।

ठक !
ईइइइइ!
निर्गमन १७:५-६

पानी नदी जैसे बहने लगा।

फिर से बादल हट गए, और इब्रियों ने अपना सामान बांध दिया और जंगल में उसका सीनय नामक पर्वत तक पीछा किया।

निर्गमन १७:६, १९:१-६,९

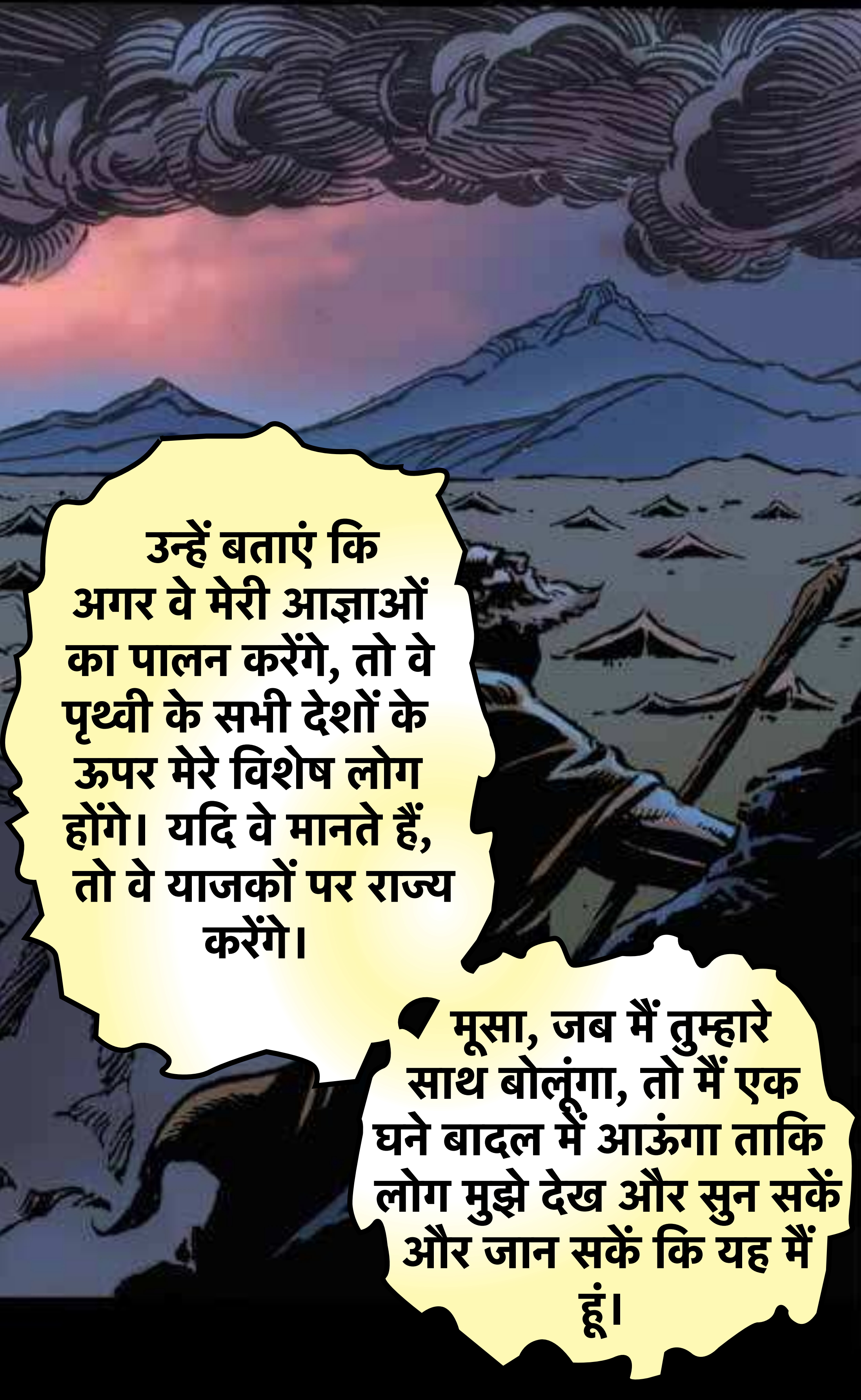
उन्हें बताएं कि अगर वे मेरी आज्ञाओं का पालन करेंगे, तो वे पृथ्वी के सभी देशों के ऊपर मेरे विशेष लोग होंगे। यदि वे मानते हैं, तो वे याजकों पर राज्य करेंगे।
मूसा, जब मैं तुम्हारे साथ बोलूंगा, तो मैं एक घने बादल में आऊंगा ताकि लोग मुझे देख और सुन सकें और जान सकें कि यह मैं हूं।

मूसा पहाड़ से नीचे आया और उसने सभी लोगो को बताया जो परमेश्वर ने मूसा से कहा था।

जैसा कि परमेश्वर ने आज्ञा दी थी, तीसरे दिन सभी लोग पर्वत के सामने एकत्रित होकर परमेश्वर के बोलने की प्रतीक्षा करने लगे। अजीब बादल पहाड़ पर छा गये और फिर....

मूसा, मैं यहोवा परमेश्वर हूँ, जो तुम्हें मिस्र देश से निकाल लाया। जब तुम नीचे जाओगे, तो इस पहाड़ के चारों ओर बाड़ बाँध देना।
यदि दूसरा कोई भी इस पहाड़ को छूता है तो वे मर जाएगा। मैं तुम्हें दस आज्ञाएँ दूंगा, जो तुम्हें लोगों को बतानी होंगी।

निर्गमन १९:७-२५

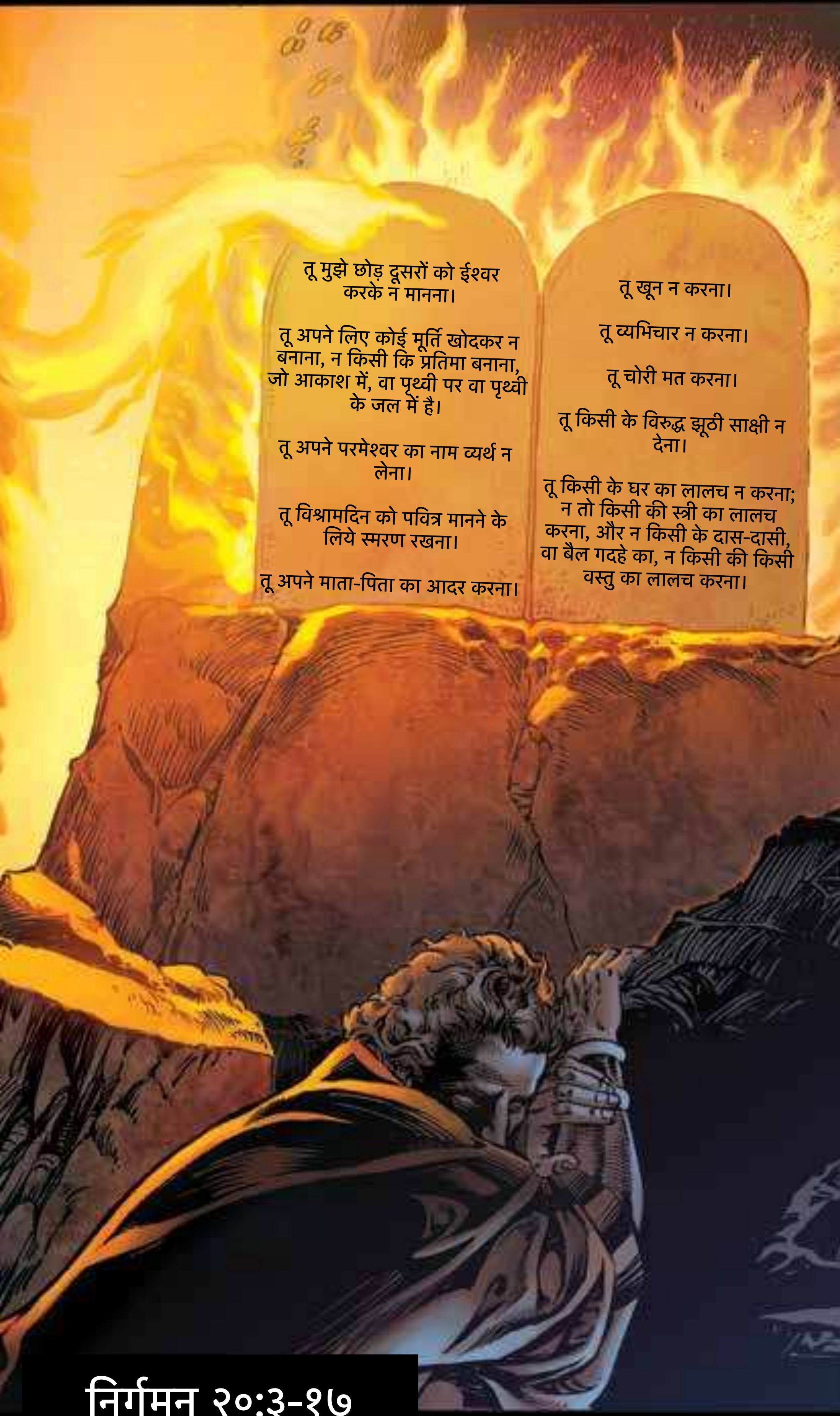
तू मुझे छोड़ दूसरों को ईश्वर करके न मानना।
तू अपने लिए कोई मूर्ति खोदकर न बनाना, न किसी कि प्रतिमा बनाना, जो आकाश में, वा पृथ्वी पर वा पृथ्वी के जल में है।
तू अपने परमेश्वर का नाम व्यर्थ न लेना।
तू विश्रामदिन को पवित्र मानने के लिये स्मरण रखना।
तू अपने माता-पिता का आदर करना।
तू खून न करना।
तू व्यभिचार न करना।
तू चोरी मत करना।
तू किसी के विरुद्ध झूठी साक्षी न देना।
तू किसी के घर का लालच न करना; न तो किसी की स्त्री का लालच करना, और न किसी के दास-दासी, वा बैल गदहे का, न किसी की किसी वस्तु का लालच करना।
निर्गमन २०:३-१७

जब मूसा पहाड़ से नीचे आया, तो उसने इस्राएल के सत्तर नेताओं को इकट्ठा किया और उन्हें परमेश्वर की आज्ञाओं के बारे में बताया।
हम उन्हें करेंगे।
वे अच्छी आज्ञा हैं।
तुम सत्तर आदमी मेरे साथ वापस पहाड़ पर चलो। परमेश्वर तुम्हे वहाँ मिलेंगे जैसे मुझे मिले थे। तुम स्वयं उन्हें देख सकोगे। लेकिन पहले मैं १० आज्ञा को किताब में लिख लूँ, जो आदेश परमेश्वर ने मुझे बताये है।

मूसा ने सभी बातों को बड़े सावधानी से ठीक वैसा ही लिखा जैसा परमेश्वर ने बोला था। परमेश्वर की आत्मा ने उसको कोई भी गलती ना करने में मदद किया।

जब मूसा ने शब्दों को लिखना समाप्त किया, तब उसने लोगो को साथ इकट्ठा किया और परमेश्वर के शब्दों को पढ़कर उन्हें सुनाया।
परमेश्वर ने जो कुछ भी कहा है वह सब अच्छा है, और हम उसका पालन करेंगे।
इसलिए इस्राएल देश ने परमेश्वर के साथ एक वाचा बाँधी। वह उन्हें आशीर्वाद देगा, उन्हें जीवन देगा, और उन्हें उनके शत्रुओं से मुक्ति दिलाएगा; और वे उसके सभी आदेशों का पालन करेंगे, जो धार्मिकता में चलते हैं।

परमेश्वर ने मूसा को रक्त बलिदान का आदेश दिया और रक्त को लोगो के ऊपर छिड़क दिया।

सभी पापी थे, मृत्यु के पात्र थे, यहाँ तक की मूसा और हारून भी। लेकिन परमेश्वर दयालु था। उसने बचने का रास्ता दिखाया।

निर्दोश मेमने को मारकर और लहू को पुरे जाती पर छिड़क कर, परमेश्वर ने उनके पापो को ढक दिया और उन्हें उनके आचरण के लिए नहीं मारा। मेमना जो मृत्युदण्ड के पात्र नहीं था बहुत सारे पापियों के स्थान पर मारा गया जो मृत्युदण्ड के पात्र थे।

इस प्रकार इस्राएल के सत्तर पुरनिये लोग मूसा के साथ पहाड़ पर गये, जहाँ परमेश्वर ने मूसा से बात की थी।

अचानक, उनके पहले परमेश्वर का सिंहासन दिखाई पड़ने लगा।

सत्तर बड़े लोगों ने मूसा को पहाड़ पर चढ़ते देखा और वह परमेश्वर की चमक में खो गया।
कितना सुन्दर !
और महिमा।
मूसा जैसा कोई आदमी नहीं है जो परमेश्वर से आमने-सामने बात करता है।
निर्गमन २४:९-१०

मूसा, तुम्हे लोगो के साथ मिलकर मंदिर बनाना है जहाँ मेरी उपासना होगी। यह एक बेदी होगी जहाँ पर बलि चढ़ाई जाएगी, और एक पवित्र स्थान जहाँ मैं आपकी सभी पीढ़ियों से साल में एक बार पुजारियों से मिल सकता हूँ।
मैं तुम्हे बताऊंगा कि कैसे मंदिर बनाना है। लेवी की जमात मेरे पुजारी होंगे, और हारून और उसके बाद उसके पुत्र महायाजक होंगे। वे लोगों को धर्मी होना सिखाएँगे और जब लोग पाप करेंगे तो वे बलिदान करेंगे।

एक **सप्ताह** **पहले** वह पहाड़ पर आग में गया था। निश्चित ही अब वह मर गया होगा।
हाँ, यहां रेगिस्तान में हम हमेशा के लिए नहीं बैठ सकते।
हमे परमेश्वर की जरुरत है जो हमे मार्ग दर्शन कर सके जैसे मूसा ने किया था।
तब तक हम अपने परमेश्वर के सोने की मूर्ति बनाये।

मूसा मर गया। हारून हमारे लिए सोने का परमेश्वर बनाएगा। जो हमें मिस्त्र वापस ले जाएगा।
हमे अपना सोना दो।

अपने हाथों से मूर्खों ने एक बैल की मूर्ति बनाई और उसे परमेश्वर कहा। पाप करने से पहले शैतान की मूल छवि एक बैल की थी। हालाँकि लोगों को यह पता नहीं था, लेकिन शैतान ने उन्हें उपासना करने के लिए प्रेरित किया था।
हारून ने लोगों की इच्छाओं का पालन किया और सोने का परमेश्वर बनाने में उनकी मदद की।
निर्गमन २०:४, २५:८-९, २८:१-३, ३२:१-४; यहेजकेल १:१०, १०:१४, २८:१४

हारून कितना मूर्ख था। वह जानता था कि मूर्ति परमेश्वर नहीं है, लेकिन वह लोगों से डरता था।
यह तुम्हारा परमेश्वर है जो तुम्हें मिस्र देश से निकाल लाया है। कल हम एक बड़े बलिदान की घोषणा करेंगे और यहोवा की उपासना करेंगे।
परमेश्वर ने पहले ही उन्हें आदेश था की पूजा करने के लिए कोई भी मूर्ति न बनाना, लेकिन वे अपनी कल्पनाओं का अनुसरण कर रहे थे।

लोगो ने नृत्य किया और स्वयं को नंगा कर लिया। वे नशे में धुत होकर हंगामा करने लगे। परमेश्वर उन सभी को नष्ट करने के लिए तैयार था और आग में भेजने के लिए जो उसने शैतान और उसके दूतों के लिए तैयारी की थी।

परमेश्वर ने मूसा से बात की और कहा, “अब नीचे जाओ। लोगो ने बहुत बड़ा पाप किया है। उन्होंने खुद को नंगा कर लिया है और वे एक मूर्ति के सामने नृत्य कर रहे हैं। मुझे उन सबको नष्ट कर देना चाहिए। उनके दिल कठोर हैं। वे धार्मिकता में नहीं चलते। ”

निर्गमन ३२:५-१०

मूसा गुस्से में था जब उसने देखा कि लोग परमेश्वर को भूल गए हैं और खुद के लिए एक मूर्ति बना ली।
तुमने परमेश्वर की आज्ञाओं को तोड़ा है!

मूसा ने उस पत्थर को तोड़ दिया जिस पर १० आज्ञाएँ लिखी हुई थी।

क्या उसने नहीं कहा था कि यहोवा के अलावा और कोई परमेश्वर नहीं ? क्या कोई मूर्ति, जिसे आप अपने हाथों से बनाते हैं, वह तुम्हारा निर्माता हो सकता है?
मूसा ने सोने के बछड़े के टुकड़े कर दिए और उसका चुरा बना दिया।
निर्गमन २०:३-४, ३२:१५-२०

यदि आप यहोवा की तरफ हैं तो मेरे साथ आकर खड़े हो जाइए। यदि आपको मिस्त्र के देवताओं की पूजा करनी है तो आप जहां हो वहीं रहो।
मैं उस परमेश्वर के साथ चलूँगा जो कि लाल सागर को दुभागता है, भले ही उसकी कोई मूर्ति न हो।
हम अब्राहम, इसहाक और याकूब के परमेश्वर के साथ चलेंगे।

पाप का दंड **मृत्यु** है। यहोवा कहता है कि उन्हें मरना चाहिए। अब अपनी तलवार ले लो और उन सभी को **मार** डालो जिन्होंने आराधना के लिए मूर्ति का वापर किया है।

उस दिन 3,000
मूर्तिपूजक और
पूर्वज मारे गए थे।
काट !
नहीं!
दया करो !
निर्गमन ३२:२६-२८

मूसा पहाड़ पर गया, और फिर एक बार परमेश्वर ने पत्थर के दो पट्टी पर दस आज्ञाएँ लिखीं। जब मूसा वापस आया, तो उसने लोगों को परमेश्वर की आज्ञाओं को दिखाया और वे सभी उनकी बात मानने को तैयार हो गए।

परमेश्वर बोला
की तुम कठोर हृदय वाले और
विद्रोही लोग हो। जब तुमने पाप किया,
परमेश्वर ने मुझसे कहा कि वह तुम सभी
को मार देगा, लेकिन मैंने तुम्हारे लिए
प्रार्थना की, और अब वह तुम्हारे पाप को
दूर करने जा रहा हैं। वास्तव में यहोवा
दयालु और क्षमा करने वाला
है।

परमेश्वर ने मंदिर कैसे बनाना है उसके लिए दिशा दी। अगर हम इसे परमेश्वर के अनुसार बनाते हैं, तो वह हमसे वहां मिलेंगे। क्योंकि हम सभी पापी हैं, परमेश्वर ने एक रास्ता तैयार किया है जिसके द्वारा हम उससे संपर्क कर सकते हैं।
लेवियों हर दिन रक्त चढ़ाएँगे। साल में एक बार, रक्त वाचा के सन्दूक पर रखा जायेगा। जब परमेश्वर ने सन्दूक पर रक्त देखा, जैसे उसने मिस्त्र में किया था, तो वह हमारे पापों को दूर कर देगा, और हम नहीं मरेंगे। यह क्षमा करने का परमेश्वर का रास्ता है।

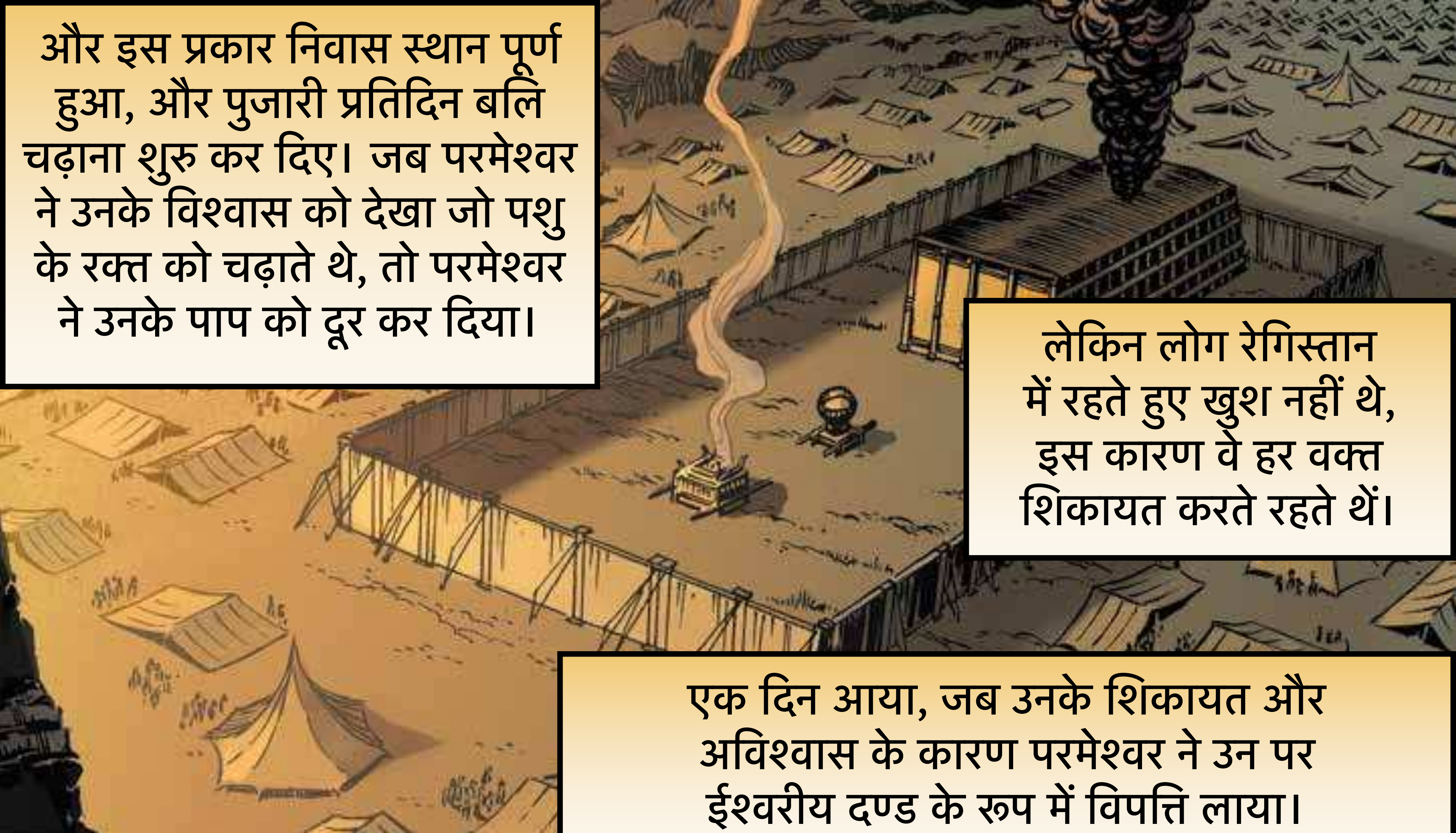
और इस प्रकार निवास स्थान पूर्ण हुआ, और पुजारी प्रतिदिन बलि चढ़ाना शुरु कर दिए। जब परमेश्वर ने उनके विश्वास को देखा जो पशु के रक्त को चढ़ाते थे, तो परमेश्वर ने उनके पाप को दूर कर दिया।
लेकिन लोग रेगिस्तान में रहते हुए खुश नहीं थे, इस कारण वे हर वक्त शिकायत करते रहते थें।
एक दिन आया, जब उनके शिकायत और अविश्वास के कारण परमेश्वर ने उन पर ईश्वरीय दण्ड के रूप में विपत्ति लाया।

निर्गमन ३४:२८-३२, ३९:३२; गिनती २१:५-६

जल्द ही पूरा डेरा जहरीले
साँपो से भर गया।

परमेश्वर हमारी मदत कीजिए।

रात में भी उनके तम्बुओं में साँप पाया गया।
हिस्स्स्स !

मेरी मदद करो। मुझे साँप ने कांट लिया।

नहीहीही!

माता-पिता के पापों के लिए उनके बच्चों को भी सहन करना पड़ा।

गिनती २१:६

पूरा डेरा पीड़ा से चिल्ला रहा था और उनके दु:ख को सुना जा सकता था। पाप की मजदूरी बहुत भयानक है।
पूरे डेरे में ऐसा ही है और हर एक मिनटों में और खराब हो रहा है। बहुत से लोग पहले ही मर **चुके** है।
हमें मूसा को ढूंढना चाहिए। निश्चित रूप से यह परमेश्वर का काम है। वह उनके पापों के लिए लोगों पर क्रोधित है।
थड़ाक !

हमे परमेश्वर से अवश्य बात करनी चाहिए। हम इस सजा के पात्र हैं, लेकिन उनसे पूछो हम पर दया दिखाए।
कब लोग सीखेंगे कि परमेश्वर पाप को लेकर बहुत **गंभीर** हैं? उन्हें परमेश्वर के आज्ञा को मानना होगा और जाती को पवित्र होना होगा।

हे परमेश्वर, कृपया अपने लोगो पर दया कीजिए, उनके पापों को क्षमा कीजिए।
जाओ, पीतल का साँप बनाओं, जो साँप लोगो को कांट रहा है ठीक वैसा ही। और उसे खम्बे पर लटका दो ताकि सभी लोग देख सके। उन्हें बताओ वे उस पीतल के साँप को देखे और वह तुरन्त ही ठीक हो जायेंगे।

गिनती २१:७-८

परमेश्वर ने हमे रास्ता दिखाया। पीतल के साँप को देखो और ठीक हो जाओ।

वह मरने जा रहा हैं।
नहीं ! परमेश्वर ने हमे रास्ता दिखाया है। बस अपनी आँखे खोलो और देखो। देखो और जिओ !

ये चमत्कार हैं।
अवश्य हमें दूसरों को बताना चाहिए।
यह मेरे लिए काम कर गया। मैं दूसरों को भी बताऊँगा।

गिनती २१:९

तुम उसे झूठी उम्मीद से क्यों चिढ़ाते हो?
दूसरो ने भी देखा और वो ठीक हो गए।
क्या तुम्हे दिख नहीं रहा मैं मर रहा हूँ? क्यों मुझे ऐसे मुर्ख बातों से परेशान कर रहे हो ?

वह मर गया।
मुझे क्षमा करना, उसने विश्वास नहीं किया।
उसे बहुत गर्व था।

एक बार फिर से लोगों ने परमेश्वर के शक्ति को देखा। साँप डेरे से दूर चले गये और जीवन फिर से सामान्य हो गया।
लेकिन लोगों ने अपने तरीकों से चलना जारी रखा, अक्सर परमेश्वर की आज्ञा का पालन करने में वे असफल रहे।

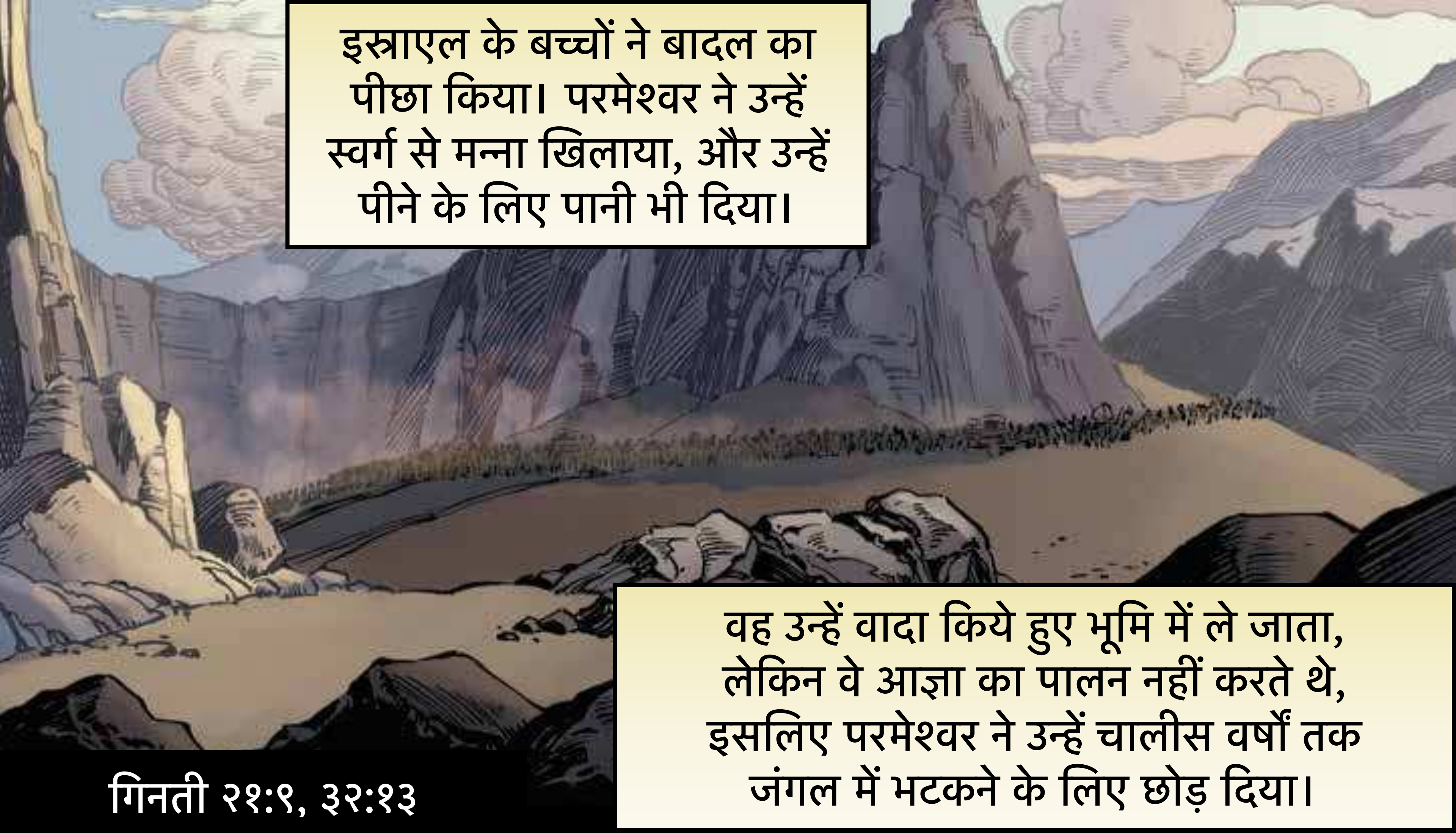
इस्राएल के बच्चों ने बादल का पीछा किया। परमेश्वर ने उन्हें स्वर्ग से मन्ना खिलाया, और उन्हें पीने के लिए पानी भी दिया।
वह उन्हें वादा किये हुए भूमि में ले जाता, लेकिन वे आज्ञा का पालन नहीं करते थे, इसलिए परमेश्वर ने उन्हें चालीस वर्षों तक जंगल में भटकने के लिए छोड़ दिया।
गिनती २१:९, ३२:१३

मूसा, तुम सोचते हो कि सिर्फ तुम ही परमेश्वर के करीब हो। तुम्हारे जैसे हम भी **पवित्र** है। वास्तव में, सभी लोग पवित्र है। हमारे बीच कोई पापी नहीं बचा है। और परमेश्वर हमारे बीच में रहता है। तुम्हे और हारून को हमें यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि हमें क्या करना है और अपने आप को हमारा न्यायाधीश बनाने की भी आवश्यकता नहीं है। हम तुम्हारे जैसे न्याय करने में सक्षम हैं।
हाँ, मैं इस रेगिस्तान में चारो तरफ भटकते-भटकते और छोटी-छोटी बातों के लिए परमेश्वर का हमें मारना, इस सब से मैं थक गया हूँ।
हाँ, ये मूसा की गलती हैं। उसके अपेक्षा बहुत ऊंचे हैं।

मूसा मंदिर में गया और परमेश्वर से पूछा कि क्या करना हैं।

परमेश्वर ने कहा है, “तुम लेवि के पुत्र, तुम अपने आप पर बहुत जिम्मेदारी लेते हो। तुम लोग पुजारी बन जाते जब परमेश्वर ने उन्हें होने के लिए नियुक्त नहीं किया था। ”
कल परमेश्वर हम सभी के बिच में निर्णय करेंगे और हम जान जायेंगे की परमेश्वर का पुजारी कौन है, कौन पवित्र है और कौन नहीं। कल सुबह मंदिर में आना। और अपने साथ जलती हुई धूपदान लाना।
गिनती १६:२-६

अगले दिन।
पास आओ, तुम लोगो में कौन अपनी पवित्रता का दावा करता है, जो होगा और लोगो पर शासन करेगा।

परमेश्वर आज हमें यहाँ मिलेंगे, और वही निर्णय करेंगे। हम उसकी ताकत और उसकी महिमा देखेंगे।

तुम अपने आप
को इन दुष्ट लोगो से अलग कर लो,
मैं उन्हें मारने को तैयार हूँ।

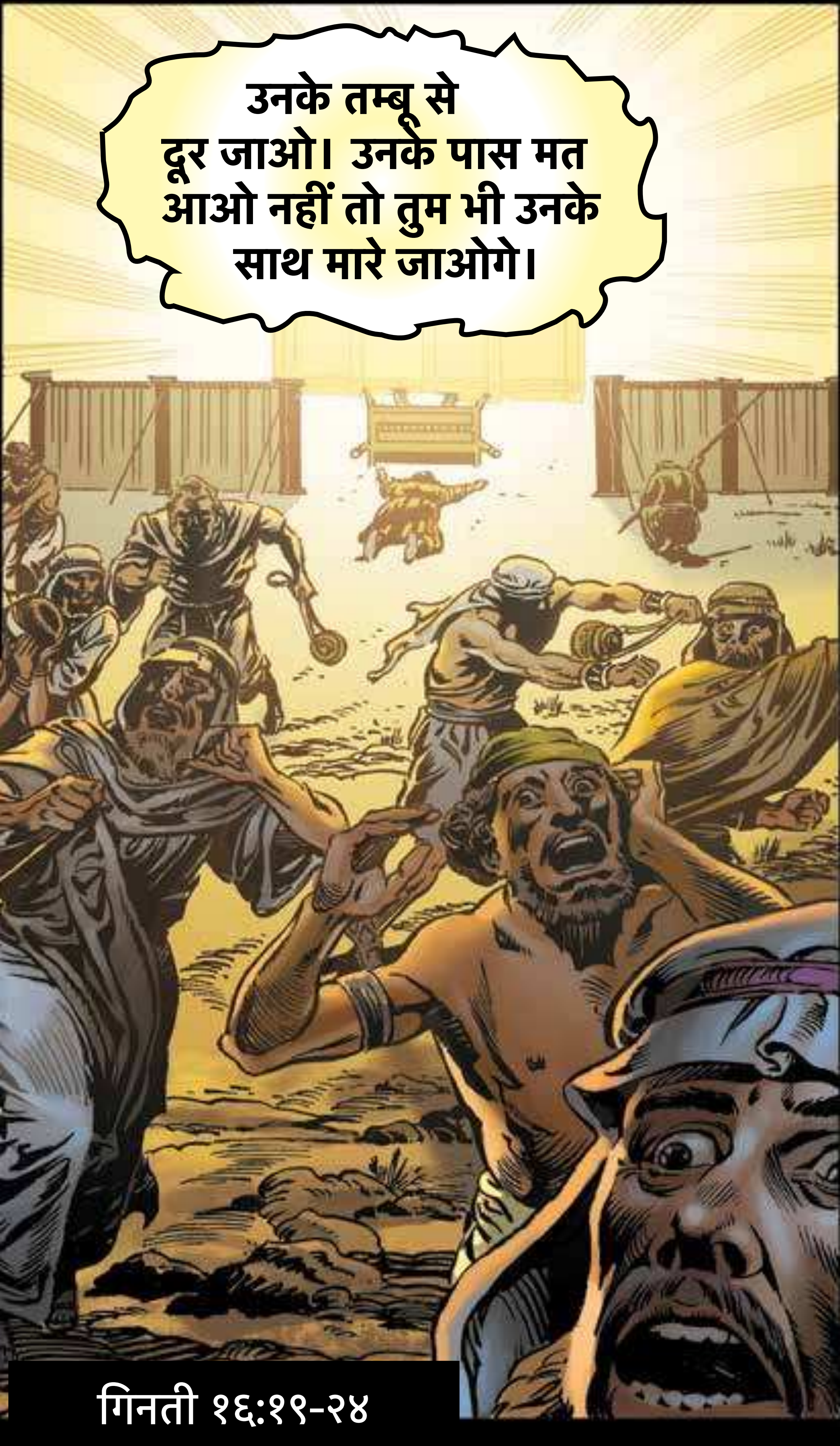

गिनती १६:१९-२४

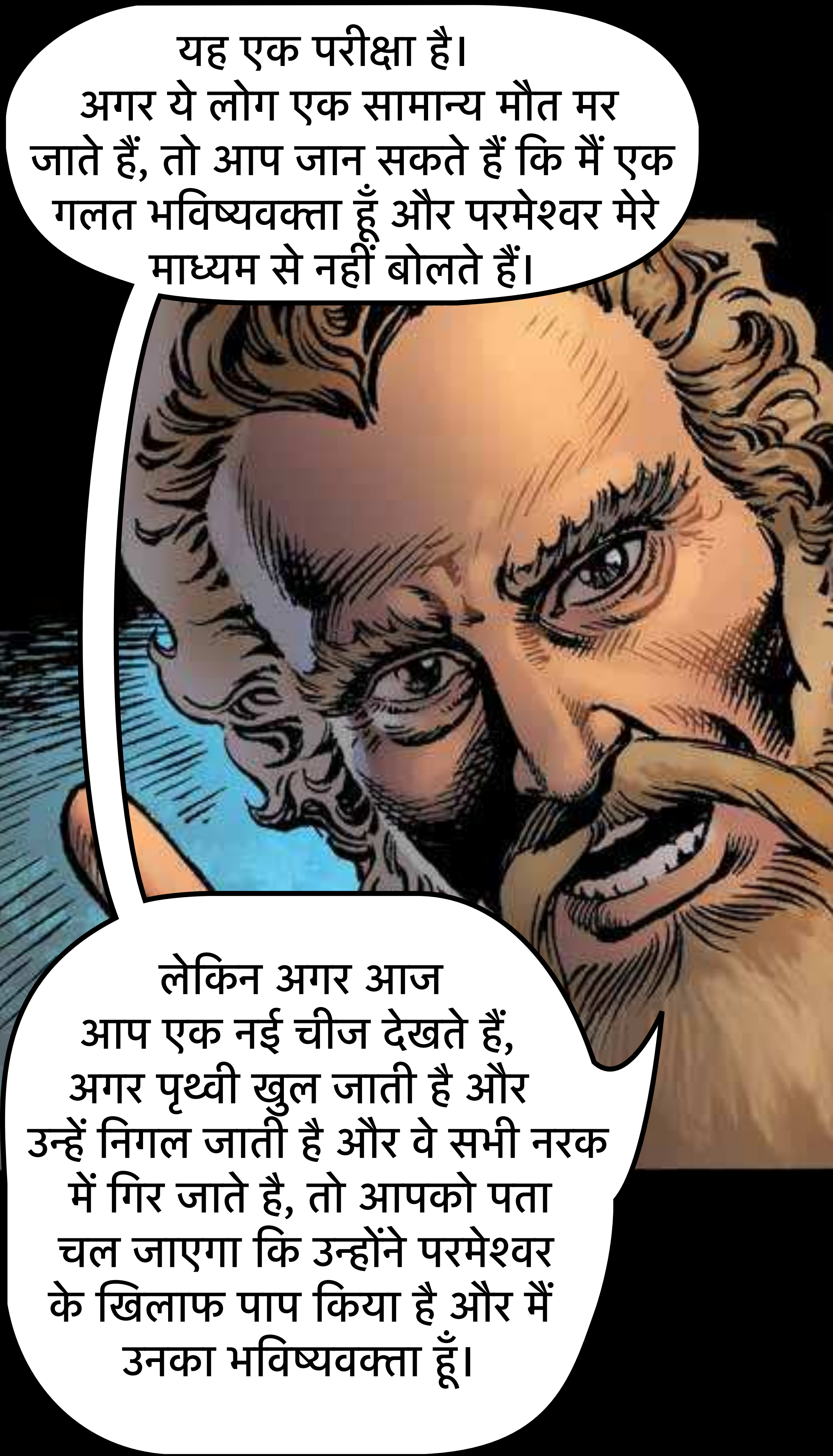
यह एक परीक्षा है। अगर ये लोग एक सामान्य मौत मर जाते हैं, तो आप जान सकते हैं कि मैं एक गलत भविष्यवक्ता हूँ और परमेश्वर मेरे माध्यम से नहीं बोलते हैं।
लेकिन अगर आज आप एक नई चीज देखते हैं, अगर पृथ्वी खुल जाती है और उन्हें निगल जाती है और वे सभी नरक में गिर जाते है, तो आपको पता चल जाएगा कि उन्होंने परमेश्वर के खिलाफ पाप किया है और मैं उनका भविष्यवक्ता हूँ।

मदत करो !
ईइइइ !
नहीं !

गिनती १६:२८-३३

वे सभी मनुष्य जो पुजारी होने का प्रयत्न कर रहे
थे, पृथ्वी जीवित ही उन्हें नर्क के अग्नि में निगल
गई जो शैतान और उसके दूतो के लिए बना था।

उनके पीतल के धूपदानों को उठा लो और उन्हें वेदी पर ढकने के लिये बनालो।
जब आप पीतल से ढके हुए वेदी को देखेंगे तो आपको यह दिन याद आएगा, की मनुष्यों ने परमेश्वर की आज्ञाओं को अनदेखा किया और खुद को पुजारी बनाने की मांग की।
वह ऐसा दिन था जिसे इस्त्राएल के बच्चे कभी नहीं भूलेंगे। परमेश्वर ने यह स्पष्ट कर दिया कि मूसा उसका भविष्यवक्ता था, और केवल वे जिन्हें उन्होंने नियुक्त किया था वे पुजारी हो सकते हैं।

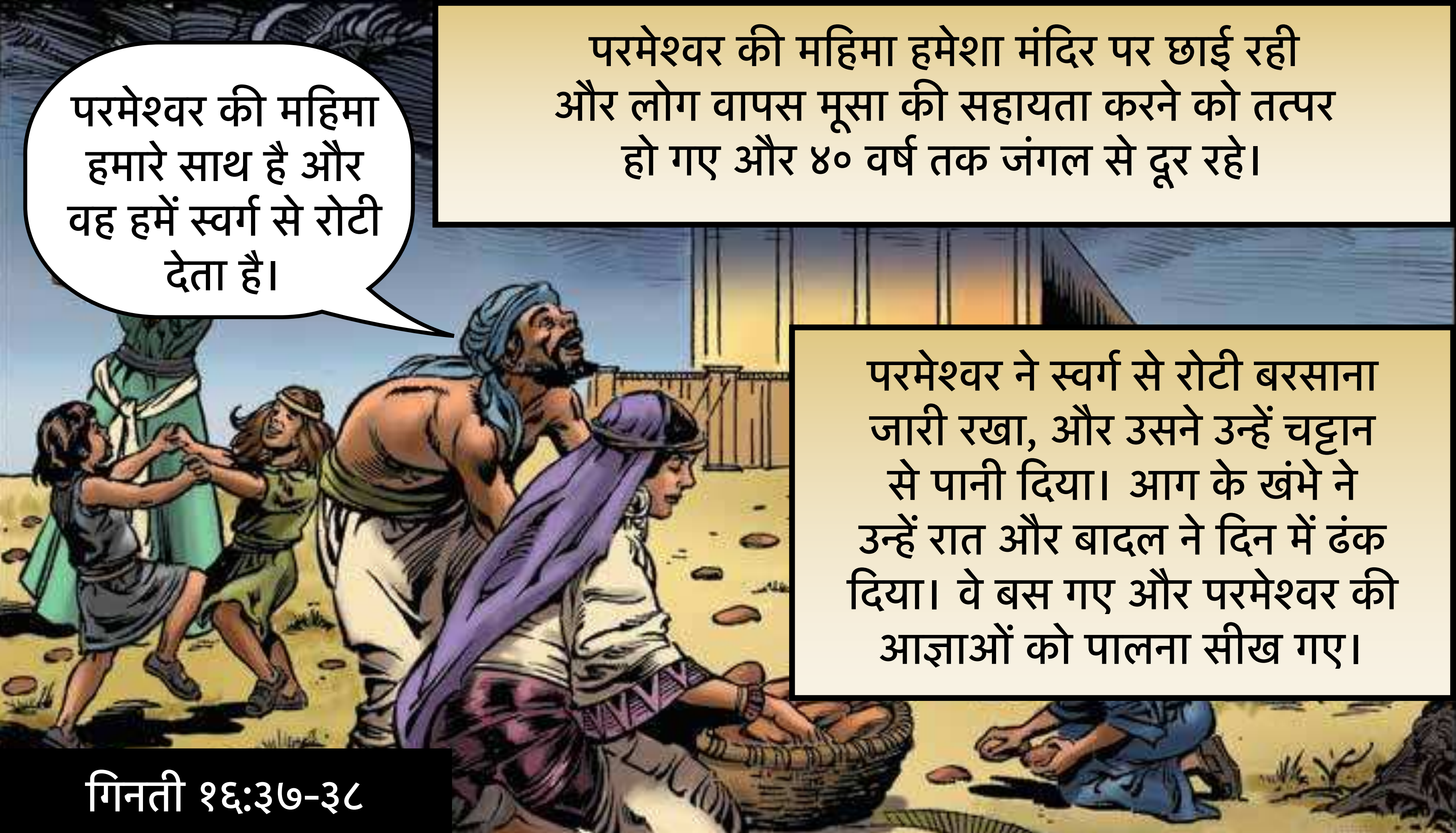
परमेश्वर की महिमा हमेशा मंदिर पर छाई रही और लोग वापस मूसा की सहायता करने को तत्पर हो गए और ४० वर्ष तक जंगल से दूर रहे।
परमेश्वर की महिमा हमारे साथ है और वह हमें स्वर्ग से रोटी देता है।
परमेश्वर ने स्वर्ग से रोटी बरसाना जारी रखा, और उसने उन्हें चट्टान से पानी दिया। आग के खंभे ने उन्हें रात और बादल ने दिन में ढंक दिया। वे बस गए और परमेश्वर की आज्ञाओं को पालना सीख गए।
गिनती १६:३७-३८

पुजारी निवासस्थान पर उपस्थित रहते थे और रोजाना बलि चढ़ाते थे जैसा मूसा ने उन्हें आदेश दिया था।

रेगिस्तान में ४० वर्ष बाद, सभी लोग वचन भूमि में प्रवेश करने की तैयारी करने लगे, परमेश्वर ने मूसा को पहाड़ पर बुलाया। वहाँ, परमेश्वर के साथ एक अंतिम बातचीत के बाद, वह लेट गया और चुपचाप मर गया।

लगभग १४५१ ई.पू. - लैव्यव्यवस्था ३४:४-५

लगभग 500 साल बीत चुके थे जब यहोवा परमेश्वर ने इब्राहीम को अपने लोगों को छोड़ने और उस भूमि पर चलने के लिए कहा, जो परमेश्वर उसे देगा।
परमेश्वर ने अब्राहम और साराह को अपने बेटे इसहाक से एक महान राष्ट्र बनाने का वादा पूरा किया। याकूब के बारह बेटे, जिनका नाम इस्राएल में बदल दिया गया था, वे बारह जनजातियों और लोगों की संख्या अधिक बढ़ गई।

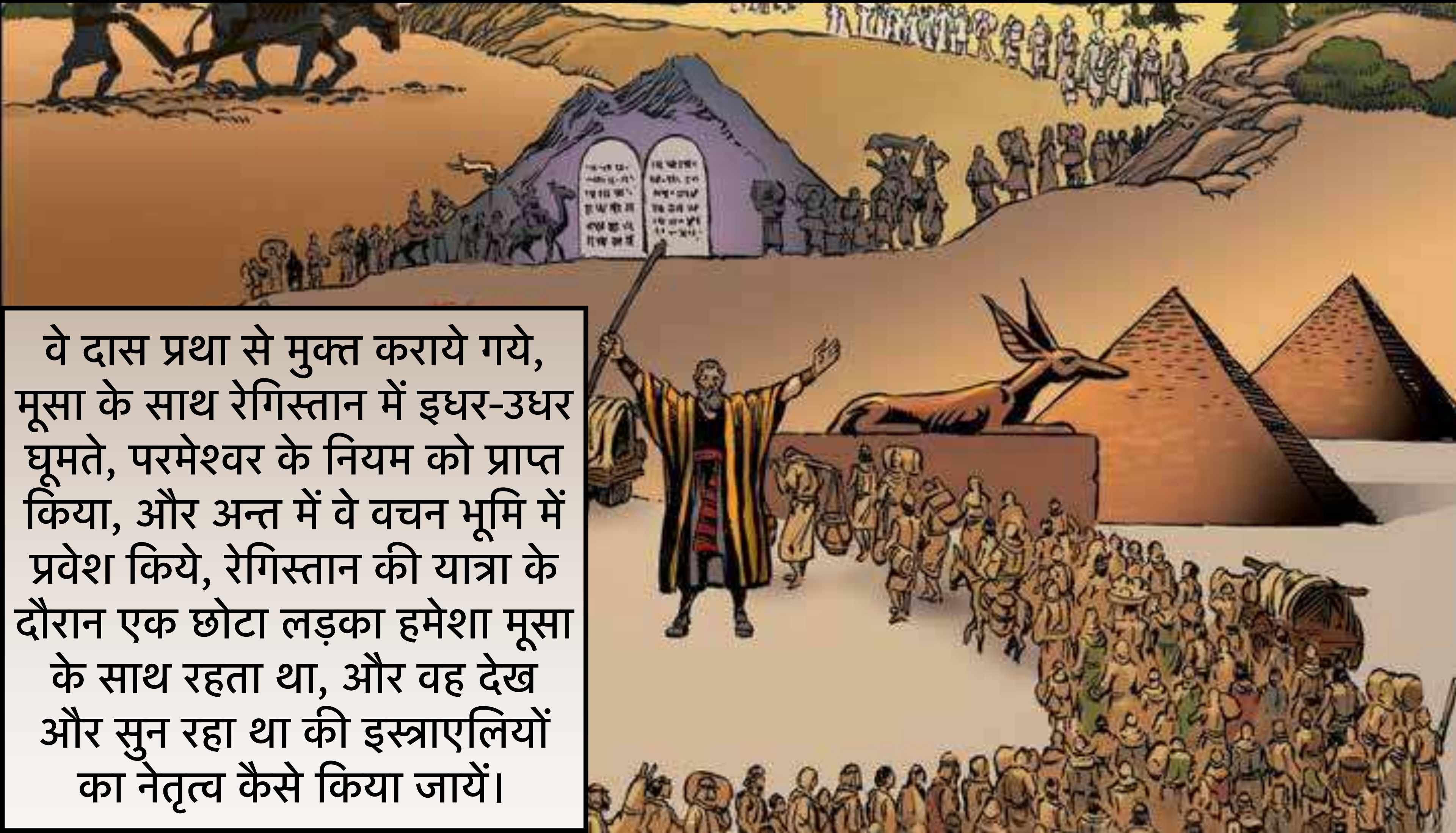
वे दास प्रथा से मुक्त कराये गये,
मूसा के साथ रेगिस्तान में इधर-उधर
घूमते, परमेश्वर के नियम को प्राप्त
किया, और अन्त में वे वचन भूमि में
प्रवेश किये, रेगिस्तान की यात्रा के
दौरान एक छोटा लड़का हमेशा मूसा
के साथ रहता था, और वह देख
और सुन रहा था की इस्त्राएलियों
का नेतृत्व कैसे किया जायें।

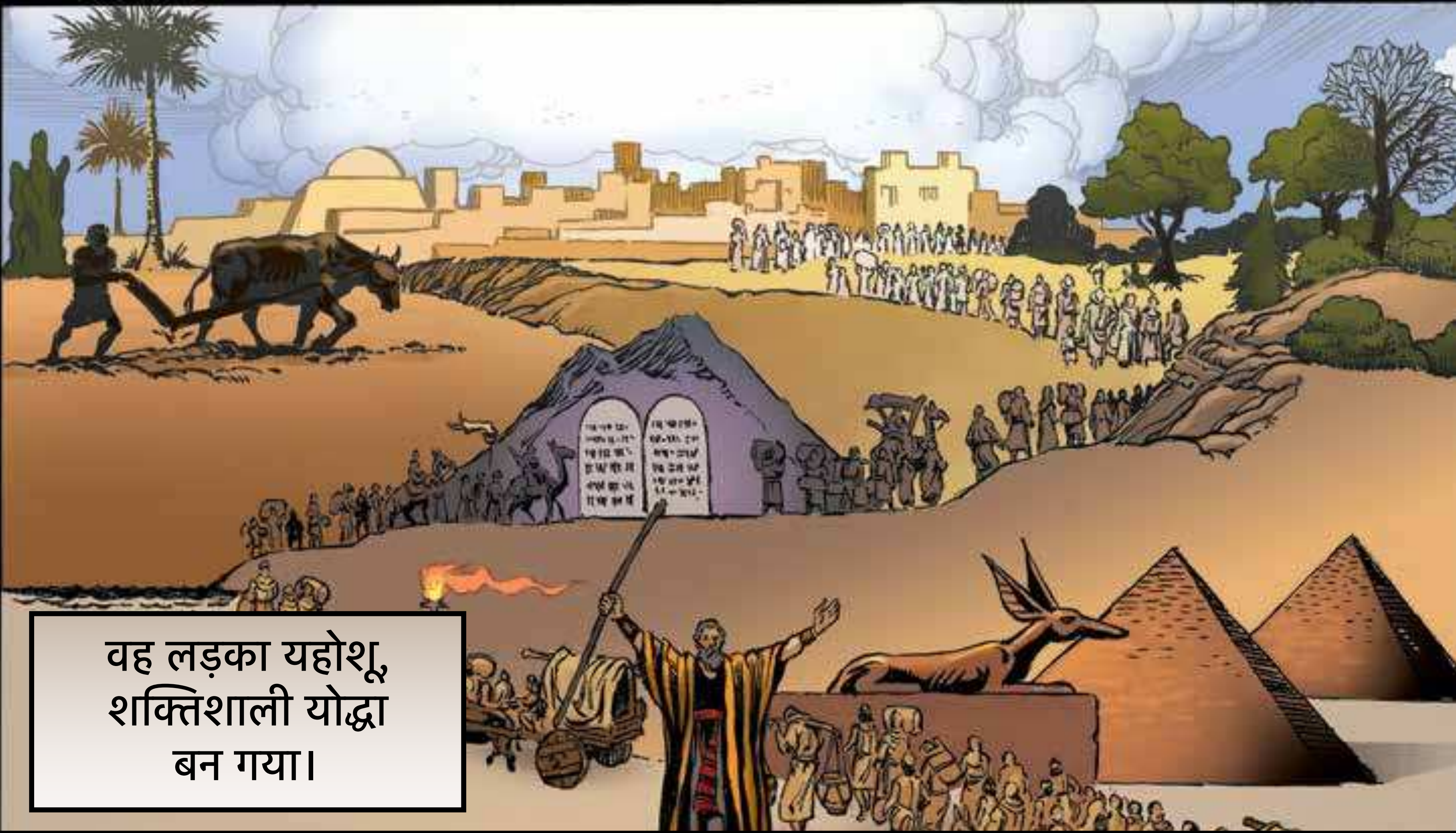
वह लड़का यहोशू,
शक्तिशाली योद्धा
बन गया।

मूसा परमेश्वर के पास जाने के बाद, यहोशू को परमेश्वर द्वारा चुना गया था ताकि वो लोगो का परमेश्वर ने इब्राहीम से वादा किये हुए भूमि पर जाने के लिए नेतृत्व कर सके।
लोगों ने भविष्यवाणी को याद किया कि वे एक अनोखे भूमि में अजनबी होंगे और 400 साल बाद उन्हें अपने पिता की भूमि पर वापस लाया जाएगा। परमेश्वर ने अपनी बात रखी थी।

व्यवस्थाविवरण ३४:९;
यहोश ५:१२

https://goodandevilbook.com/